विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 11 से 17 सितंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 16 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

ज़ो लोग जीवन को खुशियों का माध्यम मानते हैं और किसी को भी किसी भी रूप में तकलीफ नहीं देते हैं, ऐसे लोगों के जीवन में सदा खुशी रहती है. लेकिन जो लोग दूसरों की खुशियों से जलते हैं, उन्हें दिली खुशी कभी नहीं मिलती है. स्पर्धा बुराई छोड़ने, मेहनत से तरक्की हासिल करने में की जानी चाहिए. किसी को गिराने का प्रयास करने वाला सदा पहले ही गिरता है.

सुशीला कार्की बन सकती हैं प्रभारी पीएम

विदर्भ स्वाभिमान, 10 सितंबर

काठमांडू-सोशल मीडिया पर पाबंदी और भ्रष्टाचार को लेकर नेपाल में भड़की हिंसा से जहां जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है, वहीं देश की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को देश की कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाने के संकेत मिले हैं. वह देश की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं. इस बीच देश में हिंसा पर सेना द्वारा काबू पा लिया गया है.करोड़ों रूपए की सम्पत्ति फूंक दी गई है. देश में अफरा-तफरी का माहौल है.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

अपने संविधान पर हमें हैं अत्याधिक गर्व

पड़ोसी देशों की बद्हाली पर सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई न्या.भूषण गवई का प्रतिपादन

विदर्भ स्वाभिमान,10 सितंबर

नई दिल्ली-सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने भारत के आस-पड़ोस में फैली अशांति का हवाला देते हुए कहा कि हमें अपने संविधान पर गर्व है. ये बात सीजेआई गवई ने तब कही जब सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को हुई एक अहम सुनवाई के दौरान भारत के पड़ोसी देशों नेपाल और बांग्लादेश में हालिया राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल का जिक्र हुआ. इस दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता में बनी पांच जजों की संविधान पीठ राष्ट्रपति के पास भेजे गए एक संदर्भ पर सुनवाई कर रही थी. मामला यह था कि क्या राज्यपाल और राष्ट्रपति को विधानसभा से पास हुए विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए समय-सीमा दी जा सकती है या नहीं. नेपाल

के सरकार विरोधी प्रदर्शनों में अब तक 25 की मौत, 600 से ज्यादा घायल हो गए हैं. इतना ही नहीं तो करोड़ों की सम्पत्ति भी नष्ट हो गई है.

हमें है इस पर गर्व-सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि हमें अपने संविधान पर गर्व है. उन्होंने कहा कि देखिए, हमारे पड़ोसी देशों में क्या हो रहा है. इस बात पर इस पर जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि हां बांग्लादेश में भी. बता दें कि इन टिप्पणियों के जरिए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने यह इशारा किया कि भारत में संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाकी देशों की तुलना में कहीं अधिक स्थिर और सम्मानित है.आजादी के बाद से भारत में जहां संविधान के कारण व्यवस्था मजबूत होती रही है, वहीं एक-दूसरे का नियंत्रण रहने के कारण हर स्थिति से पिटने में भारतीय संविधान सक्षम रहा है. गौरतलब है कि नेपाल में इन दिनों जेन जेड के द्वारा भारी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. जो कि बड़े पैमाने पर हिंसक हो गए है. फलस्वरूप प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को जनता के गुस्से के चलते पद से इस्तीफा देना पड़ा, जब हजारों प्रदर्शनकारी उनके कार्यालय में घुस आए. ये प्रदर्शन भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया बैन के खिलाफ थे. पुलिस की कार्रवाई में कम से कम 25 लोगों की मौत भी हो गई थी.

मुख्यमंत्री की कल्पना से 7.50 लाख लोगों को स्वास्थ्य लाभ

श्री गणेश स्वास्थ्य सेवा ने रचा इतिहास,हजारों बोतल खून भी जमा

विदर्भ स्वाभिमान,10 सितंबर

मुंबई/अमरावती- राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस चाणक्य जैसे राजनीतिक के साथ ही सेवाभाव की कल्पनाशीलता के लिए जाने जाते हैं. इसका अनुभव राज्य के लाखों, गरीबों और जरूरतमंदों ने श्री गणेश स्वास्थ्य योजना का लाभ लेकर किया.

राज्य में धार्मिकता का किस तरह सकारात्मक उपयोग किया जा सकता है, इसका आदर्श उदाहरण मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने प्रस्तुत किया. गणेशोत्सव की पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना के आधार पर क्रियान्वित विशेष पहल 'श्री गणेश आरोग्य' को राज्यभर से

उत्साहजनक प्रतिसाद मिलते हुए 7.50 लाख से अधिक गरीब और जरूरतमंदों को इसका लाभ मिला, यह गणेशोत्सव ऐसे लोगों के लिए सदा यादगार बन गया.मुख्यमंत्री सहायता कोष और धर्मार्थ अस्पताल सहायता केंद्र की पहल और विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं के सहयोग से क्रियान्वित इस पहल से लाखों नागरिकों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ पहुँचाने में वभाग को सफलता मिली है. 28 अगस्त से 6 सितंबर के बीच राज्य के सभी जिलों में शेष पेज 2 पर

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 29वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

सफाई बननी चाहिए सभी की जिम्मेदारी

गंदगी फैलाने वाला भी साफ-सफाई की जब उम्मीद करता है तो निश्चित ही चिंता होती है. लोग चलते रास्ते थूकते हैं, कहीं भी खड़े होकर पेसाब करते हैं, ऐसे में यह सोचना जरूरी है कि साफ-सफाई को हम जीवन का हिस्सा बनाएँ और आसपास भी सफाई रखेंगे तो स्वस्थ रहेंगे. लेकिन विडंबना है कि हमारी दूसरों पर ऊंगली उठाने की आदत सी पड़ गई है. जीवन हो या व्यवस्था हर जगह अनुशासन अत्यधिक आवश्यक होता है. भय बिनु होई ना प्रीति का शास्त्र वचन जीवन के हर मामले में लागू होता है. शहर की सफाई के मामले में महानगरपालिका तो लापरवाह है ही, भ्रष्टाचार के कारण सफाई पर हर माह लाखों रुपए खर्च होने के बाद भी शहर का शायद ही कोई इलाका हो जहां कचरे का ढेर, गंदगी से सराबोर नालियां नहीं दिखाई देती हो. लेकिन गंदगी के लिए केवल महानगरपालिका को ही कोसने से काम नहीं चलेगा. वर्तमान युवा पीढ़ी व्यसनों के अधीन हो गई है किसी को मोबाइल का व्यसन है तो कोई गुटखा तथा तंबाकू की लत पालकर बैठा है. यह कहां थूकेंगे, इसका कोई भरोसा नहीं है. नियम अच्छे हैं कहीं भी थूकना कानूनन अपराध है और उसके लिए सजा का प्रावधान भी है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इस नियम को लागू करने वाली यंत्रणा निकम्मी हो गई है. यही कारण है कि गंदगी फैलाने वाले ही महानगरपालिका से सवाल करते हैं शहर में इतनी गंदगी कैसे हैं. शौच के लिए कोई बाहर ना बैठे इसके लिए केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा करोड़ों रुपए शौचालय बनाने के लिए दिए जा रहे हैं लेकिन आज भी शहर ही नहीं तो शहर को लगकर कई गांव में सवेरे ही डब्बा और लोटा लेकर लोग निकालते हैं और बड़ी शान से रास्ते के किनारे ही कचरा करते हैं. ऐसे लोगों पर कार्रवाई के लिए स्थानीय निकायों के माध्यम से कुछ महीने पहले एक टीम बनी थी ऐसी डब्बा लेकर जाने वाले लोगों को वह टीम मौके पर पहुंचकर व्यंग स्वरूप गुलाब का फूल देकर उनका सत्कार करती थी. उसके पीछे मानसिकता यह थी की 10 लोगों के बीच में इस तरह करने के बाद वह कम से कम इस तरह की गंदगी करना छोड़ दें. लेकिन आज यह टीम कहां गायब है यह उनका भी पता नहीं है जिन्होंने कभी गुलाब लेकर इसे अपना सत्कार करवाया था. नियमों का किस तरह मजाक होता है इसका अनुभव हम ऐसे सार्वजनिक स्थानों से कर सकते हैं जहां लिखा रहता है यहां कचरा डालना गंदगी करना मना है, सबसे अधिक कचरा वहीं पाया जाता है. प्रशासन अगर ऐसे लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करें तो इन्हें कानून का डर पैदा होगा और यह कहीं भी कचरा करने से बचेंगे. प्रशासन के पास यंत्रणा है, सैकड़ों अधिकारी और कर्मचारी हैं, पुलिस का साथ है ऐसे में अगर बाहर गंदगी करते हुए किसी व्यक्ति को दो डंडे मार दिए जाएं तो मुझे लगता है ऐसे लोग जिंदगी में कभी कचरा करने के बारे में नहीं सोचेंगे.साफ सफाई की आदत हमारे जीवन में दायित्व बनने के बाद ही हम सुधर सकते हैं.

विदर्भ की शान बनेगा महाकाली मंदिर

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

अमरावती-अंबानगरी को धार्मिक नगरी कहा जाता है, इस नगरी का अध्यात्मिक इतिहास और कई प्राचीन मंदिर भी यहां हैं. इस कड़ी में नई उपलब्धि जुड़ने जा रही है. विदर्भ में पहली बार दक्षिणी स्थापत्य कला के आकर्षक नमूने के साथ सबनीस प्लॉट में महाकाली माता मंदिर तैयार हुआ है. यह मंदिर जहां जागृत मंदिर है, वहीं मां कालिका देवी देवस्थान द्वारा किए गए प्रयास से शहर की धार्मिक विरासत को अपार कामयाबी मिलेगी. मंदिर को गोल्डन टेंपल की तर्ज पर जहां विकसित किया गया है, वहीं मंदिर के जीर्णोद्धार, कलशारोहण के साथ 21 से 30 सितंबर तक यहां शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया है. इसका पुण्यलाभ लेने का सौभाग्य शहर के साथ ही विदर्भवासियों को मिलने वाला है. यह मंदिर न केवल शहर बल्कि समूचे विदर्भ में महाकाली माता भक्तों के लिए शानदार स्थल साबित होने का विश्वास संस्थान द्वारा जताया गया है.अंबानगरी की शान इस मंदिर के माध्यम से न केवल अमरावती बल्कि विदर्भ राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली है. इसके लिए संस्थापक अध्यक्ष अजय मोरय्या तथा पूर्व मिनी महापौर जयश्री मोरय्या की सराहना की जानी चाहिए. मंदिर को बाहर से निहारने के लिए लोग आ रहे हैं. यह जागृत मंदिर रहने से अभी निर्माण चल रहा है, ऐसे में देखने के लिए न केवल अमरावती शहर बल्कि आसपास के इलाकों से भी आ रहे हैं. लोगों में मंदिर को लेकर अपार हर्ष वाली स्थिति है. आगामी समय में सबनीस प्लाट क्षेत्र निश्चीत तौर पर भक्तों के लिए बेहतरीन तीर्थस्थल बनने वाला है, इसमें किसी को भी हैरत नहीं होनी चाहिए. मंदिर मोरय्या दम्पति का सपना था और यह सपना अब हकीकत बनने जा रहा है.

मंदिर में महाकाली माता के अलावा चारदीवारी को भी दक्षिणी स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना बनाया गया है. पहली ही नजर में देखने पर यह मंदिर भक्तों को आकर्षित करता है. यहां आयोजित कार्यक्रम भव्य पैमाने पर होने वाला है. मंदिर का निर्माण देवस्थान के प्रमुख अजय मोरय्या,जयश्री मोरय्या तथा सहयोगियों की देख-रेख में किया जा रहा है. सवा पांच फुट के प्रमुख कलश के साथ ही मंदिर परिसर में कुल 51 कलश की स्थापना की जाएगी. मंदिर के लिए धर्मध्वज, माताओं की मूर्तियां तथा अन्य सामग्री राजस्थान के जयपुर शहर से लाई गई है. छोटे से मंदिर से लेकर मंदिर का भव्य रूप महाकाली माता भक्तों के लिए सौगात है. जानकारी देते हुए अजय मोरय्या,जयश्री मोरय्या ने बताया कि पहले मां काली का यहां छोटा सा मंदिर था. मंदिर जागृत रहने से बड़ी संख्या में क्षेत्र के साथ ही अन्य भक्तों का आना-जाना शुरू हुआ. मंदिर के कारण हजारों भक्तों को जीवन में व्यापक बदलाव आया और जागृत मंदिर बना. मान्यता है कि इस मंदिर में बहुत शक्तिशाली आध्यात्मिक ऊर्जा है, इसका अनुभव बड़ी संख्या में भक्तों ने किया है. शहर ही नहीं तो संभवतः विदर्भ में दक्षिणी स्थापत्य कला तथा जागृत मंदिर के रूप में यह पहला मंदिर है. मंदिर की शक्तिशाली अध्यात्मिक उर्जा का अनुभव सच्चे दिल से महाकाली को पूजने वाले भक्तों को मंदिर के करीब से गुजरने पर भी होती है. विदर्भ क्षेत्र के इस महाकाली मंदिर का संबंध दक्षिणी स्थापत्य कला से रहने के कारण यह क्षेत्रवासियों ही नहीं तो भक्तों के आकर्षण का केन्द्र बना है. वे बताते हैं कि मंदिर में वे नियमित आते रहे हैं. मंदिर में दिल से और सच्चे भाव से की गई हजारों भक्तों की मन्नत पूरी हुई है. शतचंडी यज्ञ तथा अन्य आयोजनों का भक्तों से बड़ी संख्या में लाभ लेकर अपना जीवन धन्य करने का आग्रह मां कालिका देवी देवस्थान के पदाधिकारियों द्वारा किया गया है.

12,655 स्वास्थ्य शिविर, 7.50 लाख को लाभ

12,655 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए. इन शिविरों में 7 लाख 40 हजार 73 नागरिकों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच करवाई, जाँच के दौरान बीमार पाए गए 18,800 रोगियों को आगे के उपचार के लिए विशेषज्ञों के पास भेजा गया. साथ ही, नागरिकों ने बड़ी संख्या में रक्तदान करके अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई और 236 शिविरों में कुल 16,798 रक्तदाताओं ने रक्तदान करते हुए हजारों यूनिट रक्त जमा किया.

अगर भाव अच्छा हो तो निश्चित तौर पर आपके विचारों को मूर्त रूप मिलता है. अभियान में मुख्यमंत्री सहायता कोष, धर्मार्थ अस्पताल सहायता केंद्र, महात्मा फुले जन आरोग्य योजना, सरकारी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पतालों के साथ-साथ धर्मार्थ अस्पतालों से जुड़े विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. राज्य भर के बड़ी संख्या में गणेश मंडलों ने इस पहल में स्वस्फूर्त सहयोग देकर इसे जनोन्मुखी पहल को और अधिक प्रभावी बनाया है.

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा श्री गणेशोत्सव के दौरान शुरू की गई इस योजना ने क्रांतिकारी असर दिखाया. इससे जहां भक्तिभाव के साथ सेवाभाव किस तरह महत्वपूर्ण होता है, यह साबित हुआ, वहीं स्वास्थ्य शिविर तथा रक्तदान शिविरों के माध्यम से राज्य में 7 लाख 50 हजार से अधिक गरीब और जरूरतमंदों को इसका लाभ मिला है. उनके लिए स्वास्थ्य सुविधा कठिन होती थी. हजारों बोतल रक्त जमा होकर जरूरतमंदों की मदद भी सराहनीय है.

शिविर लेकर कुल 7,04,073 मरीजों को लाभ दिया गया, इसमें पुरुष लाभार्थी 3,13,508 तथा महिला लाभार्थियों की संख्या 3,05,034 है. शिविर में 85 हजार 508 बालकों की जांच और बेहतरीन उपचार किया गया. कुल 236 रक्तदान शिविर के माध्यम से 16,798 बोतल रक्त का संकलन भी किया गया.गणेश चतुर्थी जैसे बड़े त्योहार की पृष्ठभूमि में स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित करने के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अभिनव विचार को अमल में लाने और 7.50 लाख से अधिक मरीजों को लाभ पहुंचाने वाली संकल्पना की सराहना की जा रही है. अमरावती के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में यह स्वास्थ्य शिविर तथा रक्तदान शिविर लिया गया. इसका बड़ी संख्या में जरूरतमंदों ने लाभ लिया. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस की कल्पनाशीलता और उसके बेहतरीन नतीजों की सर्वत्र सराहना की जा रही है. मन में अगर भाव हो और जनहित में कुछ करने की इच्छा हो तो इस तरह के प्रकल्प निश्चित ही सफलता की बुलंदी छूते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

एकता के साथ ही राष्ट्र का अभिमान है हिंदी

हिंदी दिवस पर विशेष बालीवुड में हिंदी प्रेमी नायकों की संख्या भरपूर, महानायक अमिताभ ने बढ़ाया गौरव

विदर्भ स्वाभिमान,10 सितंबर

अमरावती- भाषा को संवाद का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है. हर भाषा का अपना महत्व है. विद्वान तथा अपनापन प्राप्त करने के लिए अधिकाधिक भाषाएं सीखनी चाहिए. भाषा जोड़ने का माध्यम होती है. ऐसे में राजभाषा हिंदी तो भारतीय भाषाओं की सिरमौर है. अंग्रेजी के बाद जहां पूरे विश्व में इस भाषा को समझने वाले मिल जाते हैं, वहीं दूसरी ओर इस भाषा की समृद्धि में हिंदी फिल्मों की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है. बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को हिंदी में महारथ हासिल है वह अक्सर एक्स अकाउंट पर हिंदी में ही ट्वीट करते हैं. हाल ही में हिंदी भाषा के महत्व में हिन्दी फिल्मों की भूमिका को कोई भी इंकार नहीं कर सकता है. हिन्दी भाषा में एकता, सभी की भावनाओं को समझने के साथ ही किसी तरह का भेदभाव नहीं करने की ताकत है. हॉलीवुड सुपरहीरो फिल्म डेडपूल में राज कपूर के क्लासिक सिनेमा श्री 420 का गाना मेरा जूता है जापानी...सुनाई देता है तो ऑस्कर से सम्मानित अंग्रेजी फिल्म एटर्नल सनशाइन ऑफ द स्पॉटलेस माइंड में नायक-नायिका के एकांत के लम्हों की पृष्ठभूमि में बजता है बालीवुड फिल्म गैंबलर का गाना वादा ना तोड़. वहीं निकोल किडमैन की हालीवुड फिल्म माओलिन रग में गाने छम्मा छम्मा...(फिल्म चाइना गेट) का प्रयोग देखकर सुखद अनुभूति होती है. वैश्विक स्तर पर हिंदी की धूम बढ़ी है तो इसके प्रसार में सिनेमा की भी अहम भूमिका है.

इसमें कोई कैपिटल या स्मॉल लेटर नहीं होता है और हां आधे अक्षर को भी सहारा देने के लिए पूरा अक्षर हमेशा तैयार रहता है. कुछ इस अंदाज में हिंदी दिवस पर मातृभाषा के लिए प्रेम प्रदर्शित करते हैं महानायक अमिताभ बच्चन. अपने इंटरनेट मीडिया एकाउंट पर अक्सर वह पिता व कवि हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियां उद्धृत करते हैं तो प्रेमचंद के साहित्य से चुने गए शब्दरूपी मोती की शोभा भी दिखती है.द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स फिल्मों के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ रखते हैं. वह कहते हैं, भाषा पर जितनी अच्छी पकड़ होगी, काम के संदर्भ में उतना ही उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे. मैं हिंदी में कविताएं लिखता हूं. शुद्ध हिंदी बोलता हूं. चूंकि हमारे देश में मिश्रित बोली प्रयोग की जाती है तो अपनी फिल्मों में वही भाषा रखने का मेरा प्रयास होता है.कई बार कलाकारों को हिंदी के संवाद भी अंग्रेजी में समझाने पड़ते हैं. मेरी एक फिल्म में संवाद था कि बड़ी विडंबना है. मुझे कलाकार को यह लाइन अंग्रेजी में समझानी पड़ी थी. यह हमारी शिक्षा प्रणाली की भी समस्या है. बहरहाल कलाकारों को मेरी फिल्म के संवाद सही तरीके से बोलने के लिए मेहनत करनी पड़ती है.जो कलाकार अच्छी हिंदी बोलते और समझते हैं, वह गलत हिंदी को तुरंत पकड़ लेते हैं. इसी कारण अभिनेता अमिताभ बच्चन को चेहरे फिल्म में अपना एकालाप (मोनोलॉग) स्वयं लिखना पड़ गया था. निर्माता आनंद पंडित किस्सा सुनाते हैं, चेहरे फिल्म में बच्चन साहब का एक मोनोलॉग था, जिसे मैंने बड़े लेखकों से लिखवाया था, लेकिन बच्चन साहब को वह ठीक नहीं लगा.

उन्होंने शूटिंग स्कवाई और अपनी वैनिटी वैन में जाकर पूरा मोनोलॉग स्वयं लिखा. वह 12 मिनट का एक रिकॉर्ड है. हिंदी पर उनकी जोरदार पकड़ है. मैं स्वयं हिंदी को प्राथमिकता देता हूं. एक बार मैं एक बड़े कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अहमदाबाद गया था. कई बड़े लोगों ने अंग्रेजी में भाषण दिया. मेरी बारी आई तो मैंने कहा कि मैं हिंदी में भाव व्यक्त करना चाहूंगा. दो मिनट तक मेरे लिए तालियां बजती रहीं.रंगमंच और फिल्मों में सक्रिय अभिनेता मनोज जोशी कहते हैं कि हिंदी हमारी राजभाषा और हमारे राष्ट्र की बिंदी है.

अमरावती में हिंदी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. हिंदी विकास परिषद द्वारा श्रीमती केशरबाई लाहोटी महाविद्यालय में काव्य गोष्टी के साथ ही अन्य कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. इसमें जाने-माने विद्वान सहभागी हो रहे हैं. सभी से इसका लाभ लेने का आग्रह प्राचार्य डॉ.विजय भांगडिया, सचिव रामेश्वर गग्गड़ के साथ ही अन्यों ने किया है. अन्य कई आयोजन भी सरकारी तथा निजी स्तर पर हो रहे हैं.

प्रेम,अपनेपन का जरिया है भाषा

भाषा को संवाद का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है. हर भाषा का अपना महत्व है. इसमें हमारी मातृभाषा अगर मां है तो मौसी के रूप में हिंदी तथा अन्य प्रादेशिक भाषाओं का अपना महत्व है. हिंदी राजभाषा के साथ देश की एकता तथा अखंडता के साथ विश्वभर में बोली जाने वाली भाषा है. हिंदी दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और राजभाषा अथवा कोई भी भाषा दिलों को जोड़ती है. इसलिए सदा अधिकाधिक भाषाएं सीखने की चाहत होनी चाहिए.ज्ञान की प्रगल्भता का माध्यम भाषाएं होती हैं.

जोड़नेवाली है राजभाषा हिंदी

वैसे तो हर भाषा बेहतरीन होती है.लेकिन राजभाषा हिंदी आत्मीयता के साथ ही राष्ट्र प्रेम तथा राष्ट्रीय एकता की ताकत को मजबूत रखने का सामर्थ्य रखती है.भाषा सदैव जोड़ने का माध्यम होती है. आप मातृभाषा में जब बात करते हैं तो आपको गर्व होता है. आप जिस राज्य में जाएं, वहां की भाषा अथवा विदेश दौरे पर जाने के बाद वहां कीभाषा में बात करते हैं तो आधी समस्या दूर हो जाती है. यह मत व्यक्त किया प्राचार्य सुधीर महाजन ने व्यक्त किया. उनके मुताबिक हिंदी में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के साथ ही भावनाओं को समझने की बेहतरीन ताकत होती है.

गुरूवार 11 से 17 सितंबर 2025

मेष

ग़णेशोत्सव का पर्व आपके जीवन में खुशियां लाएगा और तमाम विघ्न दूर होकर दिक्कतें भाग जाएंगी. दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है. समय पर फैसला होगा लाभकारी.

वृषभ

भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी. वाहन संभालकर चलाएं और नाहक विवाद से बचें.

मिथुन

अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.माता-पिता की सेवा से मुसीबतें दूर हो सकती हैं और भाग्योदय होगा.

कर्क

दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. रिश्तों को समझने का प्रयास करें, बेहतरीन रहेगा.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

भक्तिभाव में बीतेगा समय और गणेशजी की कृपा से मुसीबतें दूर होने में मदद मिलेगी. समझदारी के साथ जिद करने से बचें . अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. वाहन से सावधानी बरतने के साथ काम पर ध्यान देना लाभदायी होगा.पारिवारिक तनाव से बचने और नाहक तनाव से बचने का प्रयास करें.

व्यायाम से मिलती है हमें मूल शक्ति

गतांक से जारी-6.भ्रमरिका कुंभक

पुरुष मिलिंद ध्वनि की तरह सांस खींचकर भ्रमर के आनंद से की गयी ध्वनि के रूप में नाक से क्रम से रेचन करना चाहिए . सि क्रम से अभ्यास करना चाहिए. इस अभ्यास से चित्त में आनंद होता है. यही भ्रमरिका कुंभक है.

7. मूर्छा कुंभक-अब मूर्छा कुंभक के बारे में बताऊँगा,सुना. सांस को खींचकर जालंधर को पकड़े रहने से मन में सव्दोध पैदा होकर,अंदर पैठकर जीव से मन को भरते जाना ही मूर्छा कुंभक है.

8. केवल कुंभक-अब केवल कुंभक के बारे में बताऊँगा. सुनो. रेचक पूरक कुंभक करते हुए हुए स्वाभाव से वायु धारणा करके निजबोधानंद में मग्न होकर रहने से वह केवल कुंभक होता है. ऐसे कुंभक का अभ्यास करके सिध्द बननेवाले को तीनों लोकों में कोई दुर्लभ कार्य नहीं होता है. वह सर्व स्वतंत्र भी होता है.ऐसे हठ योग में यम-नियम-आसन-प्राणायाम अष्टांग योग त्रिबंधाष्टक कुंभक मुद्रा आदि साधनों से व्दादशाब्धों तक अभ्यास करने से सिध्दि प्राप्त होती है.वह ऐसा है कि प्रथमाब्ध में मनुष्य रोगरहित होता है. व्दितीयाब्द में कवित्व करने लगता है. तृतीयाब्ध में विष को जीतता है,चतुर्थाब्ध में भूख तृष्णा निद्रा थकावट को जीतता है. पंचमाब्ध में वाक्शुध्दि को प्राप्त करता है. षष्टाब्ध में खड्गभेध्य बनता है. सप्ताब्ध में भूमि से ऊपर उठता है, अष्टमाब्ध में ऐश्वर्य संपन्न होता है, नवमाब्ध में

भोगवान बनता है, दशमाब्ध में मनोवेगवान बनता है, एकादशाब्ध में विश्ववशत्वं बनता है. व्दादशाब्ध में साक्षादिशत्व बनता है. यह हठ योग का क्रम है.और मैं राजयोग के बारे में बताऊँगा,सुनो. उसे सूक्ष्माष्टांगपूर्वक अभ्यास करना चाहिए.राज योग (सूक्ष्म अष्टांगयोग पूर्वक)-आहार निद्रादि दशेंद्रियों को दबा कर शांति को प्राप्त करना यम है. निश्चल गुरुभक्ति निस्संशय योगासक्ति तृप्ति एकांतवास की इच्छा, वैराग्य भाव को ग्रहण करना नियम है. सहज सुख देनेवाले आसन में रहना निस्पृहत्व को प्राप्त करना आत्मा को दबाकर ठीक करके खड़े होना आसन है. प्रकट रेचक पूरक और कुंभक समेक श्वासों को

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-30, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

अप्रयत्न रूप से जमाना अनिरुध्द कुंभक है.प्राण को स्थिर रूप में रोक कर जगत को सत्य और नित्य मानना प्राणायाम है. अंतर्मुखी होकर निर्मल मन से मन में उत्पन्न होनेवाले मनोविकारों से अलग रहना ऐसे विकारों को त्याग करके निर्व्यापार रहना ही प्रत्याहार है.स्वस्वरूपानुसंधान भाव से व्दितीय रहित आत्मानुभव में सर्वजगत को आत्म के रूप में मानना सकल भूत दया के साथ समरसता से नित्य तृप्त होना ध्यान है.अंतर बाह्य प्रकाश को एकसूत्र में स्वत तेजोमय रूप में परमात्मा को लेकर दृढ़ संकल्प करके मन को शांत रखना ही धारण है.उस धारण के अभ्यास में चित्त को एकाग्रता से रखने पर जीवात्मा और परमात्मा में जल शर्कर न्याय से मिलाकर रखना ऐसा अनुभव करना ही समाधि है. ऐसे सूक्ष्माष्टांग से प्रकाशित होनेवाले राजयोग के लक्षणो को संक्षेप में बताऊँगा. वे ऐसे हैं कि हंसाक्षर सिध्दासन केवल कुंभक नाद इन चारों से राज योग प्राप्त होता है. उसमें 1. सांख्य 2. तारक 3.अनुनस्क त्रिविध हैं. इनमें सांख्य योग ऐसा है. 1. सांख्य योग-पंचतन्मात्राएँ पंचभूत पंचीकृत प्रबल होकर उत्पन्न होनेवाले सकलेंद्रीय सर्वविषयजाल गुणत्रय काम विकारादि देह अशाश्वत ऐसा सोचकर जाननेवाली जानकार मैं हूँ, ऐसा निश्चय करके विक्षेपादि आवरणों को दबाकर अपने आप में अपने को ढूँढ़-ढूँढ कर पहचान कर अचल वृत्ति से रहना सांख्य योग है. गुरू मुख से इसे अभ्यास करना चाहिए. इस प्रकार सांख्य योग के बारे में जानकर तारक का अभ्यास करना चाहिए.

2. तारक योग लक्ष्यत्रय

अर्धनिमिलित नेत्रों से या दोनों नेत्रों को बंद करके परमात्मा को गुरू की कृपा से अंदर ही दर्शन कर सकते हैं. चंद्र और सूर्य के रहते सहज ही चमकने वाले ताराओं में विमल बिंदु के रहने से वह तारक योग से प्रकाशवान लक्ष्य त्रय बनता है.वह तारक योग बाह्य मध्य अंतर्लक्ष्य के रूप में रहता है. उनमें बाह्य लक्ष्य कैसा है. सुनो.

1. बाह्य लक्ष्य-बहिर्नासिकाग्र का अवलोकन करते मनो मारुतों से मिलकर स्थिर रखकर उसमें चतुरवर्ण प्रमाण से नैल्यम को षटवर्ण प्रमाण से धूम्र को अष्टांगल प्रमाण से रक्त को दशांगुल प्रमाण से तरंग प्रभा को व्दादशांगुल प्रमाण में भीत को प्राप्त होता है. ये पांचों पंचभूत के वर्ण बनकर सामने आने पर अपांग द्रष्टा बन कर उन्हें शीर्ष के ऊपर रखकर निश्चल चित्त बनाकर देखने पर चंद्रप्रभा दिखाई देती है. इसके अतिरिक्त कान,नासापुट नेत्र मार्ग से उंगलियों में रहने से निष्ठा के साथ चित्त को वहाँ पर स्थिर करने से प्रणवनाद को सुन सकते हैं. . प्रकट दीप कलाएँ नवरन्त कांति भी दिखाई पड़ती है. यह आत्म प्रत्यय प्रकाशित बहिर्लक्ष्य है. अब मध्य लक्ष्य विधान कैसा है सुनो. जय जय गोविंदा.

शेष अगले अंक में

शहर में यातायात व्यवस्था अस्तव्यस्त,लोग परेशान

अमरावती- शहर के राजकमल तथा जयस्तंभ चौक से जाने वाला रेलवे का उड़ान पुल जर्जर होने के कारण अस्तव्यस्त शहर की यातायात व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है. विशेष रूप से विद्यालय तथा कार्यालय के समय तथा दोपहर 12 बजे से 1 बजे के दौरान जयस्तंभ चौक, मालवीय चौक से लेकर इर्विन रोड तथा चौक तक यातायात की दिक्कत रहती है. इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान
आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

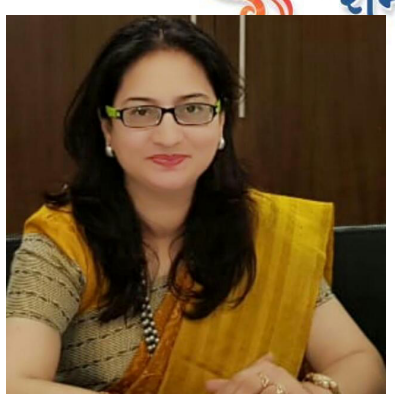

डॉ.सौ.प्रांजल राजेश शर्मा

जिंदगी का हर पल सुख दे आपको, दिन का हर लम्हा ख़ुशी दे आपको,
जहां गम की हवा छू के भी ना गुजरे,ख़ुदा वो जिंदगी दे आपको,
जिंदगी दे आपको...!

शुभेच्छुक-

विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा असंख्य स्नेहीजन, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

अनमोल विचार

ज़ो देते हैं वही मिलता

जीवन प्रभु का हमें दिया गया उपहार है. लेकिन यह तभी सही मायनों में सार्थक होता है कि जीवन में हमें कितने लोगों ने मदद की और हमने अपने जीवन में कितने लोगों की मदद की. यह बैलेंस तो कभी होना संभव नहीं है लेकिन जन्म देने वाली मां,जीवन संवारने वाले पिता के साथ ही हमारे जीवन में जो भी खुशियों का कारण बने हों, उन्हें सदा याद रखने तथा उनका सम्मान करने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में प्रेम, ज्ञान और अपनापन हम जितना देते हैं, उतना ही बढ़ता है. नफरत इससे कई गुना अधिक गति से बढ़ती है.

जीवन में कई लोगों की शिकायत होती है कि उनके साथ कोई सही तरीके से बात नहीं करता है, कोई उनके सुख-दुख में नहीं दौड़ता है. लेकिन ऐसे लोग स्वयं से कभी सवाल नहीं पूछते हैं कि सामाजिक प्राणि रहने के नाते बिना स्वार्थ के वे कब किसके काम में आए हैं. प्रेम देने से बढ़ता है. जीवन की राहों में कुछ ऐसे मिल जाते हैं, जो आपको अपने से भी अधिक प्यारे लगते हैं, केअर करते हैं,वहीं कई अपने ही दुःख का कारण बनते हैं. हमें प्रयास करना चाहिए कि जीवन में सुख नहीं दे सकते हैं तो कम से कम किसी के दुःख का कारण नहीं बनें, इतना भी कर लें तो निश्चित ही जीवन सफल हो सकता है.

मानव सेवा को प्रभु सेवा मानती हैं डॉ. प्रांजल शर्मा

ज़न्मदिन 11 सितंबर पर विशेष,राज्यपाल के हाथों हो चुका है सम्मान

ज़ीवन में कुछ नेक दिल, आत्मीयता रखने वाले लोगों का आना भी किसी भाग्य से कम नहीं है. मेरे जीवन में मैं भाग्यशाली हूं कि दीदी डॉ. प्रांजल शर्मा और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा ऐसे ही लोगों में हैं, जिनके निःस्वार्थ स्वभाव से दिए गए अपनेपन और मुसीबत में ढाल बनकर खड़ी होने वाले स्वभाव को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल रहता है. मैं स्वयं को इसलिए भी भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे अपने से अधिक विश्वास इन दोनों पर रहता है. श्रीमद् भागवत गीता में जैसा भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पूर्व जन्म के संबंधों के अलावा आमतौर पर करोड़ों लोगों की दुनिया में कुछ ही लोगों को हम दिल में रखते हैं. ऐसे लोगों में यह दोनों हैं. डॉ.प्रांजल शर्मा के जन्मदिन पर हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.आप पर प्रभु गोविंदा सदा इसी तरह आशिर्वाद बरसाते रहें और सदा खुशियों के साथ स्वस्थ रहें, यही कामना.

स्वार्थ से परिपूर्ण दुनिया में किसी के प्रति दिल से सम्मान वाली बात बहुत कम दिखाई देती है. लेकिन आज भी दुनिया में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जो तमाम उंचाईयों पर रहने के बाद भी अपनी विनम्रता, अपनी सादगी और सेवाभावी कामों में अपने समर्पण के लिए सदैव समाज में सम्मान पाते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं हमारी दीदी और विदर्भ स्तर की सुख्यात महिला व प्रसूति विशेषज्ञ डॉ. प्रांजल शर्मा. वे जितने सफल और बेहतरीन डाक्टर हैं, उतनी ही बेहतरीन इन्सान हैं. रिश्तों को समझते हुए उसे निभाने की उनकी अदा बिरली है. यही कारण है कि आज न केवल अमरावती जिले बल्कि समूचे विदर्भ से विश्वास के कारण ही बड़ी संख्या में महिला मरीज उनके पास आती हैं. वे भी मरीज सेवा को प्रभु की सेवा मानते हुए अपने स्तर पर सदैव बेहतरीन उपचार करने, मानसिक रूप से मरीज की हिम्मत बढ़ाने का काम करती हैं. कहते हैं कि किसी के प्रति आत्मीयता और प्रेम यूं ही नहीं पैदा होता है. अगर किसी के प्रति आपके मन में अपनों से बढ़कर सम्मान पैदा होता है तो जैसा कि शिवपुराण में कहा गया है कि अगर किसी के प्रति सम्मानजनक प्रेम पैदा हुआ है तो यह समझना कि किसी जन्म का नाता निश्चित ही रहा है. आज जहां स्वार्थ के इस दौर में अपने ही पराए हो जाते हैं, सीधे मुंह बात नहीं करते हैं, वहीं दूसरी ओर इस तरह का नहीं दिखाई देने वाला प्रेम निश्चित ही प्रभु की इच्छा के बगैर संभव नहीं है. दीदी जितनी बेहतरीन डाक्टर हैं, उतनी ही बेहतरीन समाजसेविका की भूमिका भी अदा करती हैं. वे कहती हैं कि समाज ने हमें बहुत कुछ दिया है तो हम जब वापसी के लायक हो जाएं तो समाज को देने का प्रयास करना चाहिए. आज वैद्यकीय क्षेत्र को लेकर कई बार सवाल उठाए जाते हैं. अस्पतालों पर हमले की घटनाएं होती हैं तो मन में कई सवाल पैदा होते हैं. लेकिन सेवा के चार दशक के दौरान दीदी के प्रति किसी को शिकायत नहीं होती है. इसके विपरीत उनके पास एक बार आने वाली महिला बार-बार उन्हें ही दिखाने का आग्रह अगर करती है तो निश्चित ही उन्हें गोविंदा का प्रसाद मिला है, यह कहना गलत नहीं होगा. आज के दौर में जब कई बार सगे-नाते भी चिंता नहीं करते हैं लेकिन डॉ.शर्मा दम्पति का अपनापन मेरे ही नहीं बल्कि मरीजों के साथ सदा रहता है. कई बार तो गरीब मरीज की मदद स्वयं अपने खर्च से भी करते हैं. वे कहते हैं कि जरूरतमंद की मदद करनी चाहिए लेकिन जो सब कुछ रहकर भी लाचारी बताता है, ऐसे लोगों को समय रहते सीख देना भी जरूरी होता है. मेरे हर सुख-दुख में उनका और डॉ. राजेश शर्मा का जिस तरह से आत्मीयता से साथ मिला है, वह कभी भुला ही नहीं सकते हैं. हर मरीज की सेवा दोनों ही प्रभु सेवा समझकर करते हैं. प्रभु गोविंदा में दोनों का अपार विश्वास है और हर शुक्रवार को व्यंकटेशधाम में पहुंचते हैं. दीदी का 11 सितंबर को जन्मदिन है.अंत में मैं यही प्रार्थना हमारे गोविंदा से करता हूं कि

जिंदगी का हर पल सुख दे आपको, दिन का हर लम्हा ख़ुशी दे आपको,

जहां गम की हवा छू के भी ना गुजरे,खुदा वो जिंदगी दे आपको, जिंदगी दे आपको...!

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

समाज में डाक्टर को ईश्वर का दूसरा रूप माना जाता है. उसमें भी प्रसूति विशेषज्ञ डाक्टर को जीवनदायिनी की जीवनदाता कहा जा सकता है. डॉ.प्रांजल शर्मा भी देवतुल्य डाक्टर हैं, उनके साथ किस जन्म का नाता है, पता नहीं लेकिन कई बार कई-कई महीने नहीं मिलने, बात नहीं होने के बाद भी उनके प्रति दिल में अपार सम्मान और आत्मीयता रहती है. मरीजों की सेवा में उन्होंने जहां पूरा जीवन समर्पित कर दिया है, वहीं वे कहती हैं कि अच्छा करने वाले का गोविंदा कभी बुरा नहीं होने देते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

मानवधर्म,माता-पिता सेवा को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय अखबार

यहां एजेंसी देना है

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान की धारणी, चिखलदरा, परतवाड़ा, दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी में एजेंसी देना है. इसके साथ ही यहां पर मेहनती युवकों की जरूरत है, जो विज्ञापन लाने और वसूली करने में सक्षम हैं. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें. समाचार पत्र में केवल मेहनती युवक-युवती ही संपर्क करें, जिन्हें अपनी मेहनत के भरोसे कामयाबी प्राप्त करने की चाहत हो. विज्ञापन प्रतिनिधि बनकर बेहतरीन कमाई का मौका भी है. दिलचस्पी रखने तथा मेहनत के साथ ही स्वयं का वाहन रखने वाले ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

खुशियों के हर प्रकार के रंग

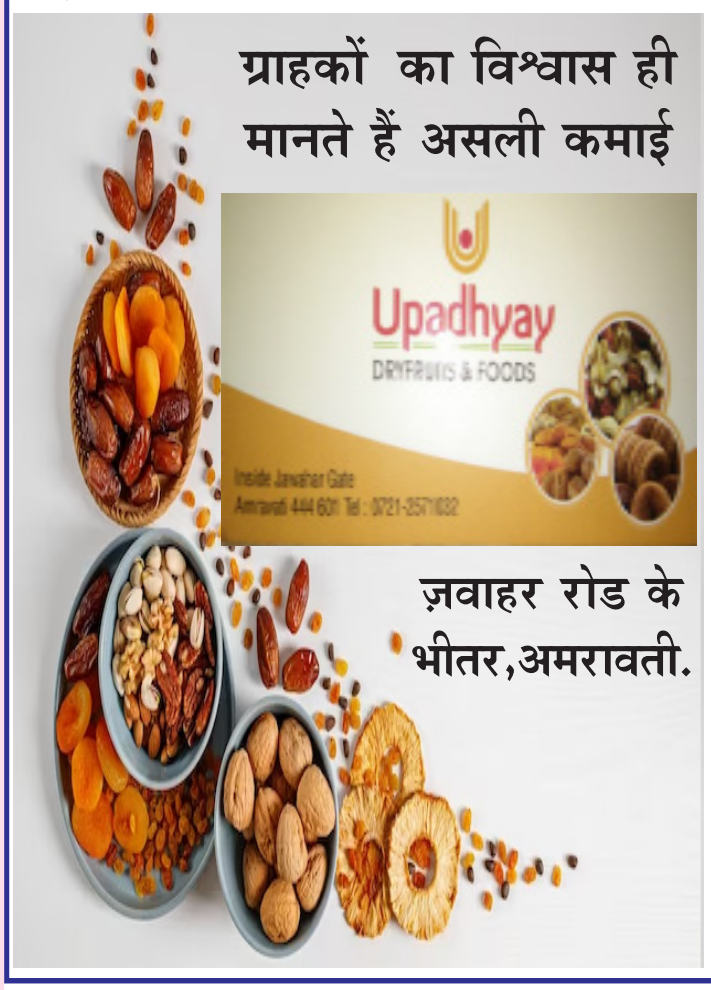

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHMN / 2010 /43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

साझा अलमारी अभियान,बांट रहा मुस्कान,दें साथ

नेहा चौधरी ने किया सभी से सहयोग करने का आग्रह

हमारे लिए अनुपयुक्त वस्तुएं भी आती हैं कईयों के काम में

दिलों को जोड़ने की मानवीय पहल की सर्वत्र सराहना

विदर्भ स्वाभिमान, 10 सितंबर

अमरावती- साझा अलमारी, आपकी अलमारी से उनकी मुस्कान तक के सहभागी होने का हार्दिक आवाहन संकल्प सेवा संस्था की अध्यक्ष और सुख्यात समाजसेविका नेहा चौधरी ने किया सिर्फ सामान नहीं, दिल भी सहेजती है ये,साझा अलमारी रिश्तों की निशानी कहती है, जरूरतमंदों के लिए एक आस है. साझा अलमारी.

'आपकी अलमारी से किसी अनजान की मुस्कान तक यही है हमारा उद्देश्य.अक्सर हमारी अलमारियों में कई कपड़े, वस्त्र, किताबें या अन्य सामान ऐसे रहते हैं जिन्हें हम कभी इस्तेमाल नहीं करते. समय के साथ ये वस्तुएँ हमारे लिए महत्व खो देती हैं, लेकिन सोचिए, यही वस्तुएँ किसी और के जीवन में नई उम्मीद, आत्मविश्वास और मुस्कान ला सकती हैं.

जो वस्तुएँ आपके लिए अब उपयोगी नहीं, वे किसी बच्चे की पढ़ाई का आधार बन सकती हैं, किसी परिवार की ज़रूरत पूरी कर सकती हैं, किसी बुज़ुर्ग की ठंड में ओढ़न बन सकती हैं.आपके घर का अतिरिक्त सामान किसी और की ज़िंदगी को साकार करने का साधन बन सकता है.संकल्प सेवा संस्था पिछले तीन-चार वर्ष से इस क्षेत्र में बेहतरीन काम कर रही है, नेहा चौधरी ने आपके घर में घर में रखी हुई अप्रयुक्त वस्तुएँ दान करने और इससे किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने में सहयोग देने का आग्रह किया है. उनके मुताबिक यह दान सिर्फ वस्तुओं का नहीं होगा, बल्कि यह दान होगा इंसानियत का, करूणा का और एक उज्जवल समाज की ओर उठाया गया कदम. सभी से इसमें सहभागी होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है. साथ ही संकल्प किया है कि अलमारी को हल्का करके, किसी ज़रूरतमंद के जीवन को भारी बनाएँ.

आपकी छोटी-सी पहल किसी के लिए नई सुबह, नई आशा और नई मुस्कान बन सकती है.संकल्प सेवा संस्था 'साझा करें और किसी जीवन को संवारें."सामाजिक एकजुटता और परोपकार का एक सरल तरीका है - उन चीज़ों का दान करना जिनका अब आप उपयोग नहीं करते. आइए, दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं.नेहा चौधरी ने बताया की एक बेहतरीन प्रयास करने का मानस लिया है.

हम सभी के घरों मे ऐसी वस्तुएं होती हैं, जो हमारे लिए उपयोगी नही और वो हम सब देना भी चाहते है किंतु सबसे बडा प्रश्न है की दे किसे? साझा अलमारी एक ऐसा उपक्रम है जिसके जरीये हम उन जरूरतमंदो तक पहुंच सकते है. मानवता के संगम के पदाधिकारी किरण अग्रवाल,राजश्री अग्रवाल,मंजू माधोगढ़िया,मीना केडिया,रुचि ककरनिया,संतोष माधोगढिया,अनुराधा अग्रवाल ने साझा अलमारी से जुड़ने का अनुरोध संस्था अध्यक्ष नेहा चौधरी ने किया है.

साझा अलमारी
आपकी अलमारी से उनकी मुस्कान तक

संकल्प सेवा संस्था
आयोजित
★ साझा अलमारी ★
"आपकी अलमारी से उनकी मुस्कान तक"
जिन वस्तुओं का आप उपयोग नहीं करते, वे किसी और के जीवन में उपयोगी साबित हो सकती हैं।
कपड़े | जूते | खिलौने | बर्तन | फर्नीचर | इलेक्ट्रॉनिक्स
आज ही साझा अलमारी में भेंट करें।
आपका छोटा-सा योगदान किसी की बड़ी मुस्कान है।
दान का समय : 1 सितंबर से 5 अक्टूबर तक
संपर्क

सुनील केडिया गाडगेनगर 9422682538	रुचिता खेतान बडनेरा रोड 8806878282	रश्मि अग्रवाल एकनाथपुरम 9422955619	सुनीता गोयल स्काई टावर्स ,कैंप 9665132439	पूनम इलेक्ट्रॉनिक्स मोतीनगर 96577 83534
सरिता अग्रवाल विजया कॉन्वेंट स्कूल 9422540758	पूजा सिंघानिया खापर्डे बगीचा 9766098517	नेहा गोयल शेगांव नाका 8888915000	आशा भगेरिया साईनगर 9420835007	हेमलता नरेडी चौधरी चौक 9326222008
अर्चना नांगलिया प्रसाद नगर, saturna 9421615413	प्रतीति अग्रवाल मांगीलाल प्लॉट 8668559664	सीमा माधोगढिया गणपति मंदिर, माधोगढ़िया मार्ग 94228 58602	सुधा खेतान राठी नगर 94229 57602	अनुराधा अग्रवाल अस्मिता स्कूल के सामने देशपांडे वाड़ी 9921770035

काउच पफ़ी®
1 लाख SQ.FT.
एक्सक्लूसिव गिफ्ट & फर्नीचर मॉल
ड्रीम्जलैंड, B- 4 ,नागपूर रोड, अमरावती.
99300 - 94691 / 98238 - 84485
10% Discount on Final Price

सुख देने वालों के सुख का स्वयं भगवान रखते हैं ध्यान-रवीन्द्र महाराज कालमेघ

विदर्भ स्वाभिमान,10 सितंबर

खल्लार बालाजी- जो लोग स्वयं खुश रहते हुए अन्य लोगों की खुशियों का विचार करते हैं, ऐसे लोगों पर सभी देवी-देवताओं की कृपा बरसती है. शास्त्र में किसी को शब्दों से भी अगर हमने पीड़ा पहुंचाई है तो वह भी घोर पाप की श्रेणी में आता है. श्रीरामचरित मानस में तो किसी को खुश करने से बड़ा पुण्य नहीं और किसी को दुःखी करने से बड़ा पाप नहीं रहने की बात गोपाल काला कीर्तन में रविन्द्र महाराज कालमेघ ने कही. वे सोमवार को श्रीमद् भागवत कथा के समापन मौके पर बोल रहे थे. इस समय पालखी का भ्रमण गांव में हुआ. महिला तथा पुरूष भक्तों का उत्साह देखने लायक था. ठीक 1.30 बजे पालखी गाजे-बाजे के साथ पहुंची और शहनाई, नगाड़े के साथ ही विभिन्न कलाकारों ने पालखी का स्वागत किया.

जलका शहापुर रविन्द्र महाराज कालमेघ ने सप्ताह भर कथा के दौरान श्रीमद् भागवत कथा के महात्म्य के साथ ही प्रभु के स्मरण तथा हरिनाम सुनने से जीवन किस तरह तर जाता है, इसकी जानकारी दी. श्री बालाजी संस्थान खल्लार बालाजी के प्रांगण में 1 सितंबर से शुरू कथा 7 सितंबर तक चली कथा का गांव के अलावा आसपास के विभिन्न गांवों के भक्तों ने भी लाभ लिया. सोमवार को गोपाल काला कीर्तन तथा महाप्रसाद के साथ इसका समापन हुआ. शाम में हुए महाप्रसाद का सैकड़ों भक्तों ने लाभ लिया. सप्ताह भरी चली कथा तथा धार्मिक आयोजनों से पूरा गांव ही तिरूपतिमय हो गया था.सफलतार्थ सभी ने दिल से प्रयास किया. सोमवार को रात 7 से आयोजित महाप्रसाद कार्यक्रम का बड़ी संख्या में भक्तों ने लाभ लिया. महाप्रसाद का स्वाद सभी ने सराहा और धन्यवाद दिया.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे.
गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.
शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य
1350 फुट बांधकाम
संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

संवेदनशील नेतृत्व हैं ज्ञानेश्वर धाने पाटिल

ज्ञानेश्वर धाने पाटिल के जन्मदिन पर विशेष

जिले में शिवसेना शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता तथा उपनेता बनाए गए ज्ञानेश्वर धाने पाटील संवेदनशील नेता है. वे जहां कार्यकर्ताओं में लोकप्रिय हैं, वहीं पूर्व विधायक के रूप में विकास कामों के लिए समर्पित नेता के रूप में उनकी ख्याति है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं.

लोकप्रिय नेता और सामाजिक के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लाखों छात्रों का जीवन संवारने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले पूर्व विधायक ज्ञानेश्वर धाने पाटील समर्पित, निष्ठावान, बेबाक और सामाजिक कार्यों में समर्पित नेता हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. भाऊ जहां सादगी की मिसाल हैं, वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं के चहेते नेता हैं. हजारों कार्यकर्ताओं के चहेते रहने के कारण अपार लोकप्रियता उन्हें मिली है.

शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होने के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन्हें पार्टी में उपनेता का पद दिया है. यह इस बात का उदाहरण है कि उनकी कर्मठता कितनी बेहतरीन है. ग्रामीण क्षेत्र में गरीब बच्चों की शिक्षा की बेहतरीन व्यवस्था करते हुए लाखों बच्चों का जीवन संवारने वाले जुझारू नेता के रूप में ज्ञानेश्वर

धाने पाटिल को पहचाना जाता है. उन्होंने जहां पार्टी की मजबूती में स्वयं को झोंक दिया है, वहीं पार्टी से बिना चाहत रखे केवल और केवल पार्टी मजबूती के लिए सदैव प्रयासरत हैं. किसानों की समस्या हो, लोगों की समस्या हो, वे सदैव जूझने के लिए तैयार रहते हैं. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने के चलते ही पार्टी ने उन पर उपनेता की जिम्मेदारी डाली है.

उसके मद्देनजर वे पार्टी के लिए सदैव प्रयास करते हैं. पार्टी के कट्टर कार्यकर्ता से लेकर नेता तक तथा विधायक तक का सफर उन्होंने तय किया. दो बार विधायक रहने के बाद भी कोई गर्व नहीं है. पार्टी के कार्यकर्ताओं को जहां वे पुत्रवत मानते हैं, वहीं कहते हैं कि पार्टी के कार्यकर्ता ही असली ताकत होते हैं. ऐसे में कार्यकर्ताओं को सदैव सम्मान दिया जाना चाहिए. शिंदे गुट में भी उन्हें अल्प समय में अपार लोकप्रियता मिली है. वे कहते हैं कि जो कुछ भी उन्हें मिला है, उनके आराध्य बालासाहब ठाकरे और उद्धव ठाकरे की देन है. यही कारण है कि उन्होंने जिले में शिवसेना को मजबूती प्रदान करने में अपना हरसंभव प्रयास किया और कर रहे हैं. पार्टी प्रमुख एकनाथ शिंदे को निश्चल नेता बताते हुए वे कहते हैं कि राज्य की जनता उन्हें दिल से चाहती है.

राजनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में गरीब छात्रों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराने, किसानों को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन में सदैव अग्रणी रहते हैं. धाने पाटिल संवेदनशील नेता हैं.राजनीति को समाजसेवा का माध्यम मानने वाले धाने पाटिल का कहना है कि मानवता की सेवा सबसे बड़ी सेवा होती है. इसलिए दलगत भावना से ऊपर उठकर सदैव यह की जानी चाहिए. जब हम मानवता की सेवा करते हैं तो इससे मिलने वाला संतोष कभी भुलाया नहीं जा सकता है. उनका स्पष्ट मत है कि जब हम अच्छी सोच के साथ कुछ करेंगे तो उसका नतीजा निश्चित ही अच्छा निकलेगा. बडनेरा के विधायक रहते समय करोड़ों रूपए के विकास काम करने के साथ ही शिवसेना के हिंदुत्व संबंधी विचारों से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया. उनका मानना है कि जिस ठाकरे परिवार ने लाखों की जिंदगी बदल दी, किस्मत बदल दी, उस पार्टी के साथ दगा करना अपनेआप में सबसे बड़ा पाप है. वे कहते हैं कि राज्य की जनता समझदार है. शिवसेना उनके खून में रहने की बात कहते हैं. शिवसेना क़ी मजबूती को सर्वाधिक प्राथमिकता देने वाले धाने पाटिल का 15 सितंबर को जन्मदिन है.विदर्भ स्वाभिमान की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही मां भवानी के चरणों में कामना.

विदर्भ स्वाभिमान

पूर्व विधायक, लाखों गरीब बच्चों के बेहतरीन शिक्षा की सुविधा, शिवसैनिकों में लोकप्रिय

ज्ञानेश्वर धाने पाटील

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

धाने पाटील मित्र मंडल, विदर्भ स्वाभिमान परिवार और संस्था के सभी शिक्षक,कर्मचारी तथा लाखों चाहने वाले.

विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

ज़ीवन में यह कदापि नहीं सोचना चाहिए कि हमारे भरोसे कोई है. बल्कि सदा प्रभु की कृपा मानते हुए यह सोचें कि धन्य हैं परमात्मा जिन्होंने हमें इस लायक बनाया कि हम किसी के काम आ पा रहे हैं. वर्ना करोड़ों की इस दुनिया मैं ऐसे भी लोग हैं जिन्हें माता-पिता का साया नहीं है और न ही कभी किसी को अपनों का प्रेम मिल पाता है. कई दिव्यांग हैं बावजूद इसके परमात्मा की कृपा से सदा आगे बढ़ रहे हैं. कमियों की बजाय इसे जब हम ताकत बनाते हैं तो प्रभु तो अपनी संतान को सदा आशिर्वाद देने के लिए उतावले ही रहते हैं.

सुभाष दुबे संपादक www.vidarbhswabhiman.com

अच्छा करने वाले के साथ सदा अच्छा होता है

बिल्डर आशीष कपले के जन्मदिन पर विशेष

अंबाविहार निवासी तथा अक्षरा बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन के संचालक आशीष कपले युवा समाजसेवी के साथ ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने माता-पिता के आदर्श विचारों पर चलने के साथ ही अपनी मेहनत तथा समर्पण से हजारों मित्र परिवार पैदा किया है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान तथा श्री केसरीनंदन संस्था की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.सादगी के साथ ही आशीष का स्वभाव जहां सभी को प्रभावित करता है, वहीं सामाजिक, अध्यात्मिक कामों में भी उनका सदा योगदान रहता है. अंबाविहार निवासी आशीष ने अपनी मेहनत,लगन से जहां युवाओं में

बेहतरीन प्रतिमा बनाई है, वहीं उनका मानना है कि मेहनत,लगन के साथ ही सेवाभाव ही व्यक्ति को सदाव अग्रणी बनाता है. आज के प्रतिस्पर्धी दौर में जब हर क्षेत्र में नई-नई चुनौतियाँ सामने आ रही हैं, तब समाज को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए भी सोचते हों. एक आदर्श व्यवसाय युवक आशीष कपले का व्यक्तित्व केवल धन कमाने तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह नैतिकता, ईमानदारी और समाजसेवा की भावना से परिपूर्ण है.आदर्श व्यवसाय युवक हमेशा मेहनत को सफलता की कुंजी मानता है. वह केवल वर्तमान की सोच तक सीमित नहीं रहता, बल्कि भविष्य की संभावनाओं को पहचानकर योजनाएँ बनाते हैं.यही कारण है कि अल्प समय में व्यवसाय में भी अपार सफलता प्राप्त की.व्यापार का आधार ही विश्वास होता है. एक सच्चा व्यवसायी युवक कभी भी छल, कपट और बेईमानी का सहारा नहीं लेता. उसके व्यवहार में पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा झलकती है.यही कारण है कि लोगों का विश्वास बढ़ा है.

समय के साथ बदलते परिवेश को अपनाना ही व्यवसाय में सफलता की पहचान है. आदर्श व्यवसाय युवक तकनीक, प्रबंधन और नए विचारों को अपनाने में हमेशा आगे रहता है.एक व्यवसाय युवक केवल स्वयं ही नहीं बढ़ता, बल्कि दूसरों को भी अपने साथ लेकर चलता है. उसकी नेतृत्व क्षमता कर्मचारियों में उत्साह भरती है और कार्यस्थल को परिवार जैसी भावना प्रदान करती है.आशीष ने कई मित्र बनाएं.

आदर्श व्यवसाय युवक अपने लाभ का कुछ हिस्सा समाज को लौटाता है. वह गरीबों की सहायता, शिक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में योगदान देकर समाज को समृद्ध करने में सदा आगे रहते हैं.

व्यवसायिक सफलता के साथ-साथ आदर्श युवक अपने व्यक्तित्व को संतुलित बनाए रखता है. वह समय का प्रबंधन करता है, परिवार और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाता है और नैतिक मूल्यों को जीवन में सर्वोपरि मानते हैं.व्यवसायिक सफलता के साथ-साथ आदर्श युवक आशीष कपले को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं.

मनोज चोरे,अध्यक्ष
श्री केसरीनंदन संस्था,अम.

अंबाविहार निवासी तथा अक्षरा बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन के संचालक,सेवाभावी युवा समाजसेवी तथा दिलदार व्यक्तित्व

आशीष कपले

को जन्मदिन पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक-श्री केसरीनंदन संस्था,विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती.

308 स्वास्थ्य शिविरों में 16,219 नागरिकों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच

श्रीगणेशा स्वास्थ्य अभियान रहा सार्थक, 583 नागरिकों ने किया रक्तदान

विदर्भ स्वाभिमान,11 सितंबर

अमरावती- राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस की कल्पनाशीलता के कारण राज्य में साढ़े सात लाख से अधिक और अमरावती जिले में विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 16 हजार से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया. इसके लिए मुख्यमंत्री फड़णवीस का सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है. मंजे हुए राजनीतिक नेता के साथ ही श्री गणेशोत्सव के माध्यम से जिस तरह जिले सहित राज्य में स्वास्थ्य शिविर लिया गया और लोगों को राहत मिली, उसकी सराहना की जानी चाहिए.

अमरावती-धार्मिक पर्व का किस तरह जनहित में उपयोग हो सकता है, इसका उदाहरण मुख्यमंत्री की कल्पनाशीनता ने प्रस्तुत किया. गणेशोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना से प्रारंभ किए गए श्रीगणेशा स्वास्थ्य

अभियान के तहत जिले में 308 स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 16,219 का इस विशेष अभियान को अमरावती जिले में अत्यंत उत्साहजनक प्रतिसाद मिला. मुख्यमंत्री सहायता निधि और धर्मादाय चिकित्सालय सहायता कक्ष की पहल तथा विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं के सहयोग से आयोजित इस अभियान के माध्यम से हजारों नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा का लाभ प्राप्त हुआ.

इस अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के गणेश मंडलों में स्वास्थ्य जांच और उपचार शिविरों का आयोजन किया गया. यह विशेष उपक्रम जिलाधिकारी आशिष येरेकर के मार्गदर्शन में, निवासी उपजिलाधिकारी अनिल भटकर, अधीक्षक डॉ. निलेश खटके, धर्मादाय सह आयुक्त दीपक खोचे, उपायुक्त राजेश इंगोले, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. दिलीप सौंदले, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपक आसोले, सुपरस्पेशालिटी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमोल नरोटे, मनपा चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशाल काले तथा मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष के अध्यक्ष डॉ. श्याम गावंडे, कर्मचारी पवन गुल्हाने और मंगेश बांबटकर की सक्रिय भागीदारी से प्रभावी रूप से संपन्न हुआ.

जिले में कुल 308 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें 16,219 नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच और उपचार का लाभ लिया. इनमें 7,915 पुरुष, 7,380 महिलाएं और 924 बालक शामिल हैं. अभियान के दौरान 583 नागरिकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया. इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने भी स्वास्थ्य जनजागृति के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई. अनुलोम' संस्था ने जिले के 14 तहसीलों में स्थित 130 गणेश मंडलों का दौरा कर 9,100 नागरिकों के बीच स्वास्थ्य विषयक जागरूकता फैलाई.

इस प्रकार 'श्रीगणेशा आरोग्य का' इस विशेष उपक्रम के माध्यम से कुल 438 स्वास्थ्य व जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से 25,319 नागरिकों तक स्वास्थ्य जागरूकता पहुंचाई गई और इनमें से 16,219 नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिला. इस अभियान को जिले के नागरिकों और सामाजिक संस्थाओं से मिला उत्स्फूर्त प्रतिसाद स्वास्थ्य क्षेत्र में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ है. समाज के गरीब और जरूरतमंद नागरिकों को एक ही स्थान पर निःशुल्क जांच और उपचार उपलब्ध कराने के उदात्त उद्देश्य से यह अभियान सफलतापूर्वक संपन्न किया गया.जिला स्वास्थ्य विभाग ने भी इसमें व्यापक योगदान देते हुए इसे सफल बनाया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

खुशियां बांटते रहो,बढ़कर मिलेगी-रवीन्द्रसिंह सलूजा

जीवन में जो लोग खुशियां बांटते हैं, अपने से किसी को कम नहीं समझते हैं, अहंकार से दूर रहते हैं, ऐसे लोगों के जीवन में वाहे गुरू कभी किसी तरह की कमी नहीं पड़ने देते हैं. इन्हीं विचारों पर चलने वाले सुख्यात व्यवसायी,दिलदार यार तथा होटल ईगल इन के संचालक सहित दर्जनों संगठनों के पदाधिकारी रवींद्रसिंह सलूजा के साथ घंटे भर रहने का मौका मिला. हर विषय के जानकार के साथ ही सदा मदद को तत्पर रहने वाले भाई साहब स्वयं भी प्रसन्न रहते हैं और साथ वाले व्यक्ति को भी तमाम परेशानी भुलाने में सक्षम कर देते हैं. वे कहते हैं कि जीवन में अहंकार छोड़ने वाले को सर्वत्र प्रेम ही मिलता है.